

UGC CARE LISTED
ISSN No.2394-5990

संशोधक

● वर्ष : ९२ ● मार्च २०२४ ● अंक १



प्रकाशक : इतिहासार्थ्य वि.का.राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे

स्थापना : ९ जानेवारी १९२७



इतिहासाचार्य वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
या संस्थेचे त्रैमासिक
॥ संशोधक ॥

मार्च - २०२४ (त्रैमासिक)

● शके १९४५ ● वर्ष : ९२ ● अंक : १

* मुख्य संपादक *

प्राचार्य डॉ. अनिल माणिक बैसाणे

* सहसंपादक *

- प्राचार्य डॉ. सर्जेराव भामरे ● प्रा. डॉ. मृदुला सुमनसौरभ वर्मा
● प्रा. श्रीपाद माधव नांदेडकर

* प्रकाशक *

श्री. संजय मुंदडा

कार्याध्यक्ष

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे ४२४००१

दूरध्वनी (०२५६२) २३३८४८

Email ID : rajwademandaldhule1@gmail.com

rajwademandaldhule2@gmail.com

कार्यालयीन वेळ

सकाळी ९.३० ते १.००,

सायंकाळी ४.३० ते ८.०० (रविवारी सुट्टी)

मूल्य रु. १००/-

वार्षिक वर्गणी रु. ५००/-, आजीव वर्गणी रु. ५०००/- (१४ वर्षे)

विशेष सूचना : संशोधक त्रैमासिकाची वर्गणी चेक/ड्राफ्टने 'संशोधक त्रैमासिक राजवाडे मंडळ, धुळे' या नावाने पाठवावी.

मुखपृष्ठ चित्र : तामिळनाडूमधील महाबलीपुरम मंदीर

महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळाने या नियतकालिकेच्या प्रकाशनार्थ अनुदान दिले आहे. या नियतकालिकेतील लेखकांच्या विचारांशी मंडळ व शासन सहमत असेलच असे नाही.



अनुक्रमणिका

- | | |
|--|-----|
| * संपादकीय | दोन |
| * आवाहन | तीन |
| १. भारतीय विवाहसंस्थेतील नैतिक मूल्यांचा ऐतिहासिक मागोवा | १ |
| - प्रा. डॉ. केरकळ अर्जुन शंकर, पाथर्डी, अहमदनगर. | |
| २. थेरीगाथेमधील थेरीनि आत्मपरीक्षणगतून जागृती केलेली चित्तशुद्धी : एक अध्ययन | ९ |
| - डॉ. दिपाली पाटील, पुणे. | |
| ३. धम्मपदात प्रतिबिंबित नैतिक मूल्ये | १३ |
| - प्रा. डॉ. उमेश जनबंधू, खापरखेडा, जि. नागपूर. | |
| ४. साहित्यातील स्त्रीदर्शन : मालतीबाई बेडेकर यांचे साहित्यातील वाङ्मयीन योगदान | १८ |
| - प्रा. डॉ. अंशुमती राजेंद्र काहाणे, अंजनगाव सुर्जी, अमरावती. | |
| ५. रावलापाणी येथील हुतात्मा स्मारक व संबंधीत स्वातंत्र्य सैनिक स्त्रिया | २८ |
| - प्रा. डॉ. जगन्नाथ देवराम गोपाळ, पाचोरा, जि. जळगाव. | |
| ६. भारतीय लोकशाहीपुढे प्रसार माध्यमाचे आव्हान | ३७ |
| - डॉ. प्रशांत विघ्ने, अमरावती. | |
| ७. लोकशाही शासनव्यवस्थेचे निर्माते छत्रपती शिवाजी महाराज | ४५ |
| - डॉ. मधुकर विठोबा जाधव, हलकर्णी, जि. कोल्हापूर. | |
| ८. जैन दर्शनातील महाभूते आणि जीव तत्त्व यातील संबंधाची अवधारणा : एक विश्लेषण | ५२ |
| - स्मिता गोविंदराव बैतुले, नागपूर. | |
| - डॉ. राजेसाहेब मारडकर, नागपूर. | |



- | | | |
|-----|--|-----|
| ९. | कुणबी बोली : भाषाशास्त्रीय अध्ययन | ६१ |
| | - डॉ. विशाखा संजय कांबळे, नागपूर. | |
| १०. | साने गुरुजींच्या व्यक्तिमत्त्वाचे अलक्षित पैलू | ७० |
| | - डॉ. परमानंद बा. बावनकुळे, पोंभूर्णा. | |
| ११. | विभावरी शिरूरकर यांच्या कांदबऱ्यांतील बंडखोर नायिका | ८२ |
| | - कु. उज्वला नामदेव जानवे, | |
| | - प्रा. डॉ. परमानंद बावनकुळे, पोंभूर्णा. | |
| १२. | मन करा रे प्रसन्न, सर्व सिद्धीचे कारण | ९१ |
| | - डॉ. गोसावी शुभांगी रविद्रगीर, नाशिक. | |
| १३. | केदारनाथ अग्रवाल की कविता में ग्राम जीवन-संस्कृती
का चित्रण | १०२ |
| | - डॉ. पी. गणेशन, कोयम्बटूर. | |
| १४. | मंडळाचा त्रैमासिक अहवाल | ११० |
| | - श्री. विकास कपोले व्यवस्थापक. | |

इतिहासाचार्य वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे

विक्रीसाठी उपलब्ध असलेल्या दुर्मिळ ग्रंथांची यादी

☎: (०२५६२) २३३८४८

अ.न.	पुस्तकाचे नांव	किंमत रुपये
१)	छत्रपती शिवाजी महाराजांची पत्रे	३५०
२)	शिवाजीची राजनिती	४५०
३)	राजवाडे चरित्र	७००
४)	इ.वि.का.राजवाडे समग्र साहित्य (खंड ४ ते १०) ३५० × ६	२१००
५)	मराठ्यांच्या इतिहासाची साधने (खंड १ ते ११) ४०० × ११	४४००
६)	The Sources of Maratha History ५ खंड ६०० × ५	३०००
७)	गीताई धर्मसार	५०
८)	जागतिक बालक वर्षानिमित्त	२५
९)	अमृतानुभव	१००
१०)	कॅटलॉग	५०
११)	नागपुरकर भोसल्यांचे चिटणीशी बयान	५०
१२)	संशोधक-काँग्रेस शताब्दी विशेषांक	५०
१३)	ज्ञानेश्वर नितीकथा	२०
१४)	कमाविसदार	४००
१५)	योगचिंतामणी	१००
१६)	वेडिया नागेश	२५
१७)	नवरस रागमाला (संशोधक)	५०
१८)	तात्या जोगाच्या चरित्राची साधने	१००
१९)	मोडीलीपी परिचय	२००
२०)	खानदेश माळव्याच्या इतिहासाची साधने	१५०
२१)	दुर्मिळ संच (संशोधक)	३०००
२२)	निरुक्त	२०००
२३)	नागपूर राज्याच्या इतिहासाची साधने	२५०
२४)	मराठाकालीन शासन व्यवस्था आणि स्थित्यंतरे	१५०

